भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2184

उत्तर देने की तारीख 9 दिसंबर, 2024

सोमवार, 18 अग्रहायण 1946 (शक)

कौशल विकास के लिए सर्वेक्षण

2184. श्री सतपाल ब्रह्मचारी:

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के तहत देश के युवाओं को कौशल विकास और पूर्व-कौशल विकास के साथ-साथ प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रदान करने के उद्देश्य से कोई शोध या सर्वेक्षण किया है;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान हरियाणा, विशेषकर सोनीपत संसदीय निर्वाचन क्षेत्र सहित राज्य-वार/जिला-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान हरियाणा के सोनीपत निर्वाचन क्षेत्र में ऐसे प्रशिक्षण प्रदान करने वाले केंद्रों के लिए कितनी धनराशि आवंटित और उपयोग की गई; और

(घ) क्या सरकार ने उक्त योजना के तहत नागरिकों को जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से कोई जागरूकता अभियान चलाया है और यदि हां, तो तत्संबधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) युवाओं को कौशलौन्नयन अथवा पुनर्कौशलीकरण प्रदान करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के अंतर्गत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिए आवश्यक शोध/अध्ययन/सर्वेक्षण आयोजित करने के लिए एक मजबूत हितधारक परामर्श और विनियामक ढांचा स्थापित किया गया है।

राष्ट्रीय कौशल विकास और उद्यमशीलता नीति (2015) के तहत स्थापित क्षेत्र कौशल परिषद (एसएससी) नियमित परामर्श और अध्ययनों के माध्यम से कौशल अंतराल की पहचान करने के लिए उद्योगों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ती हैं। राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) व्यापक कौशल मूल्यांकन सुनिश्चित करने के लिए भारतीय और वैश्विक श्रम बाजारों दोनों पर ध्यान केंद्रित करते हुए अध्ययन करवाता है।

इन परामर्शों और अध्ययनों के आधार पर, उच्च-मांग वाली जॉब रोलों के लिए दक्षता मानक और अर्हताएं विकसित की जाती हैं। इन अर्हताओं को राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) द्वारा मान्यता प्राप्त उद्योगों के साथ परामर्श के माध्यम से मान्यता प्रदान की जाती है। फिर मान्य अर्हताओं को राष्ट्रीय अर्हता पंजी (एनक्यूआर) में जोड़ा जाता है और राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढाँचे (एनएसक्यूएफ़) के साथ संरेखित किया जाता है।

पीएमकेवीवाई के अंतर्गत प्रस्तुत किए जाने वाले सभी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम इस राष्ट्रीय अर्हता पंजी (एनक्यूआर) से लिए गए हैं और उद्योग परामर्श और कौशल अंतराल सर्वेक्षणों के आधार पर विकसित किए गए हैं जैसा कि ऊपर विस्तार से बताया गया है।

उपर्युक्त के अलावा, जिला कौशल समितियों (डीएससी) द्वारा जिला कौशल विकास योजनाएं (डीएसडीपी) विकसित की गई हैं, ताकि स्थानीय आवश्यकताओं के साथ पीएमकेवीवाई पाठ्यक्रमों के संरेखण को सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तर पर कौशल अंतराल, उद्योग मांग का मैपिंग आदि का आकलन किया जा सके।

(ख) विगत तीन वित्तीय वर्षों के दौरान पीएमकेवीवाई के तहत प्रशिक्षित उम्मीदवारों की राज्य-वार संख्या, दिनांक 31.10.2024 तक, **अनुबंध-I** में दी गई है। विगत तीन वित्तीय वर्षों के दौरान पीएमकेवीवाई के तहत हरियाणा राज्य में प्रशिक्षित उम्मीदवारों की जिले-वार संख्या, दिनांक 31.10.2024 तक, **अनुबंध-II** में दी गई है।

(ग) विगत तीन वित्तीय वर्षों के दौरान, दिनांक 31.10.2024 तक, हरियाणा के सोनीपत निर्वाचन क्षेत्र (सोनीपत और जींद जिले) में पीएमकेवीवाई के तहत कौशलोन्नयन अथवा पुनर्कौशलीकरण प्रशिक्षण के लिए निधि के उपयोग का विवरण नीचे दिया गया है।

क्र.सं.	**वित्त-वर्ष**	**राशि (करोड़ रुपए में)**
1	2021-22	0.81
2	2022-23	0.47
3	2023-24	2.30

(घ) एमएसडीई ने टेलीविजन, रेडियो, प्रिंट और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर व्यापक मल्टीमीडिया अभियानों; स्थानीय, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय मीडिया के साथ आवधिक मीडिया ब्रीफिंग; सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सक्रिय जुड़ाव; और सामुदायिक जुड़ाव पहल के माध्यम से प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के अंतर्गत उपलब्ध पाठ्यक्रमों के बारे में सभी राज्यों को कवर करते हुए भारत के नागरिकों को सूचित करने के लिए विभिन्न जागरूकता अभियान और प्रचार गतिविधियां शुरू की हैं। पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी), दूरदर्शन, माईगव और अन्य एजेंसियों के माध्यम से नियमित प्रेस विज्ञप्तियां भी जारी की गई हैं।

सूचना का प्रसार करने और स्कीम में भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए प्रशिक्षण संस्थानों के हमारे व्यापक नेटवर्क के माध्यम से भी जागरूकता पैदा की गई है। एमएसडीई की डिजिटल पहल - 'स्किल इंडिया डिजिटल हब' (एसआईडीएच) का उपयोग करके, नागरिक

पीएमकेवीवाई पाठ्यक्रमों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों में नामांकन कर सकते हैं।

अनुबंध I

31.10.2024 तक, विगत तीन वर्षों के दौरान पीएमकेवीवाई के तहत प्रशिक्षित उम्मीदवारों की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार संख्या:

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	वित्त वर्ष 2021-22	वित्त वर्ष 2022-23	वित्त वर्ष 2023-24
1.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	613	310	648
2.	आंध्र प्रदेश	13,199	5,798	32,421
3.	अरुणाचल प्रदेश	8,884	667	4,152
4.	असम	24,517	8,721	38,189
5.	बिहार	47,643	12,213	23,583
6.	चंडीगढ़	893	491	319
7.	छत्तीसगढ	9,495	4,356	8,367
8.	दिल्ली	19,965	2,262	10,686
9.	गोवा	604	176	183
10.	गुजरात	35,001	6,503	19,975
11.	**हरियाणा**	**18,191**	**8,963**	**27,365**
12.	हिमाचल प्रदेश	8,724	3,539	5,348
13.	जम्मू और कश्मीर	21,339	7,352	28,875
14.	झारखंड	34,233	5,302	8,796
15.	कर्नाटक	23,153	8,410	13,025
16.	केरल	12,968	5,673	8,802
17.	लद्दाख	731	246	445
18.	लक्षद्वीप	120	0	0
19.	मध्य प्रदेश	46,659	21,345	34,833
20.	महाराष्ट्र	39,864	14,913	35,257
21.	मणिपुर	6,424	1,146	2,879
22.	मेघालय	3,406	1,245	2,502
23.	मिजोरम	4,742	1,162	3,533
24.	नागालैंड	4,184	1,803	3,830
25.	ओडिशा	12,645	12,116	21,428
26.	पुदुचेरी	1,622	689	1,556
27.	पंजाब	18,539	7,568	11,816
28.	राजस्थान	38,511	9,232	23,551
29.	सिक्किम	1,322	381	2,802
30.	तमिलनाडु	29,057	8,029	34,507
31.	तेलंगाना	13,107	8,040	15,390
32.	दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	252	31	301
33.	त्रिपुरा	4,490	1,608	5,081
34.	उत्तर प्रदेश	69,015	25,568	71,530
35.	उत्तराखंड	10,522	2,942	11,584
36.	पश्चिम बंगाल	31,406	12,370	25,766
योग		**6,16,040**	**2,11,170**	**5,39,325**

अनुबंध II

31.10.2024 तक, विगत तीन वर्षों के दौरान पीएमकेवीवाई के तहत हरियाणा राज्य में प्रशिक्षित उम्मीदवारों की जिले-वार संख्या:

क्र.सं.	**जिला**	**वित्त वर्ष 2021-22**	**वित्त वर्ष 2022-23**	**वित्त वर्ष 2023-24**
1.	अम्बाला	669	224	1,010
2.	भिवानी	450	516	614
3.	चरखी दादरी	154	110	180
4.	फरीदाबाद	3,047	305	5,166
5.	फतेहाबाद	64	277	0
6.	गुडगाँव	3,821	714	9,602
7.	हिसार	842	464	336
8.	झज्जर	272	456	482
9.	**जींद**	**491**	**491**	**423**
10.	कैथल	904	307	168
11.	करनाल	580	217	220
12.	कुरूक्षेत्र	563	195	1,514
13.	महेंद्रगढ़	1,321	483	989
14.	नूह	360	337	775
15.	पलवल	48	103	1,418
16.	पंचकुला	415	549	195
17.	पानीपत	698	473	465
18.	रेवाड़ी	819	297	1,399
19.	रोहतक	746	409	379
20.	सिरसा	466	704	609
21.	**सोनीपत**	**620**	**785**	**1,045**
22.	यमुनानगर	841	547	376
योग		**18,191**	**8,963**	**27,365**

*****